विज्ञान

अध्याय-7: पौधें एवं जंतुओं का संरक्षण

SHIVOM CLASSES 8696608541

जैवमण्डल:- वनस्पतिजात एवं प्राणिजात किसे कहते हैं। पौधें एवं जंतुओं का संरक्षण। वन्यप्राणी अभ्यारण, राष्ट्रीय उद्यान एवं जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र जो वन एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु बनाए गए हैं। पृथ्वी के सभी भाग जहाँ जीवन मौजूद हैं, वह जैव मंडल कहलाता हैं. इसमें छोटे से छोटे बेक्टीरिया से लेकर विशालकाय जीव सम्मिलित हैं इसके साथ साथ बड़े और तरह तरह वनस्पति जीव जन्तु और मनुष्य, इस जैव मंडल के अंग हैं

जैवमण्डल:- वन्य जीवन, पौधों और जंतु संसाधनों को संरक्षण के उद्देश्य हेतु आरक्षित क्षेत्र बनाए गए हैं।

- पचमढ़ी अभ्यारण्य जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र है।
- सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान आरक्षित क्षेत्र है।
- बोरी एवं पचमढ़ी वन्यजंतु अभ्यारण है।
- पृथ्वी की ठोस सतह को हम स्थलमंडल कहते हैं।
- जलीय भाग को जलमंडल और धरातल का ऊपरी भाग जहाँ गैसें विद्यमान हैं, वायुमंडल कहलाता हैं।
- जब ये तीनों मंडल एक दूसरे के कनेक्शन में आते हैं तो जैव मंडल का निर्माण होता हैं।

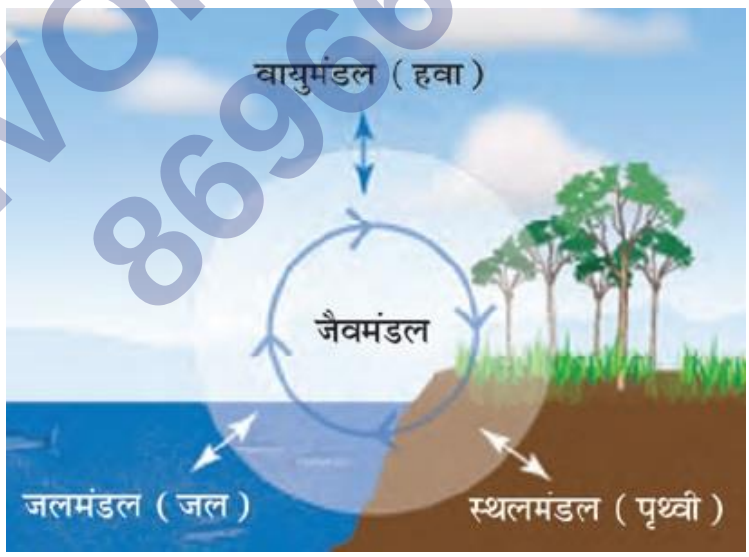

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वन एवं वन्यप्राणियों का संरक्षण:- वन और वन्यजीवन, यह प्रकृती, ही हमारे असतित्व की नींव है। इनका नष्ट एवम विलुप्त होना हमारे लिए खतरे का संकेत है। संरक्षण के प्रयासो द्वारा पेड़, पौधो, पक्षियों की प्रजातीयां सुरक्षित रहती है एवम फलति फूलती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए बहुत लाभदायक है। जंगली जानवरों की प्रजातीयां भी सुरक्षित रहे तो यह भी अति उपयोगी है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

वनस्पतिजात:- किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने पेड़ - पौधें को वनस्पतिजात कहते हैं। किसी क्षेत्रविशेष या कालविशेष में पाए जाने वाले सभी पेड़ - पौधों (वनस्पतियों) को सम्मिलित रूप से वनस्पतिजात कहा जाता है। इसी प्रकार किसी क्षेत्रविशेष या कालविशेष में पाए जाने वाले सभी पशुपक्षियों एवं जन्तुओं को सम्मिलित रूप से प्राणिजात कहा जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्राणीजात:- किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने जीव - जंतु को प्राणिजात कहते हैं। किसी क्षेत्रविशेष या कालविशेष में पाया जाने वाले पशुपक्षियों (जन्तुओं) को सम्मिलित रूप से प्राणिसमूह या प्राणिजात कहते हैं। इसी तरह किसी क्षेत्रविशेष या कालविशेष में पाये जाने वाले पेड़ - पौधों को सम्मिलित रूप से वनस्पतिजात कहते हैं। चिंकारा, नील गाय, हिरण, तेंदुआ, भेड़िया इत्यादि आरक्षित प्राणिजात क्षेत्र है।

राष्ट्रीय उद्यान:- प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और जैव विविधता के संरक्षण के लिए बनाए जाते हैं। राष्ट्रीय उद्यान को वन्यजीवों या विलुप्त होने वाले जानवरों के संरक्षण एवं पर्यावरण बचाव के लिए बनाया जाता है। नेशनल पार्क में वाइल्ड लाइफ सेंचुरी से ज्यादा नियम होते है। ये पूरा भारत सरकार द्वारा निर्मित होता है इसमें पर्यटन की इजाजत नहीं होती है। इन क्षेणों का निर्माण, स्थापना और सीमाएं भारत सरकार द्वारा तय की जाती हैं. भारत में पहला राष्ट्रीय उद्यान 1936 में हैली के नाम से स्थापित किया गया था। जिसे अब जिम कार्बेट नेशनल पार्क के नाम से जाना जाता है। ये पार्क उत्तराखंड में है। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल 104 राष्ट्रीय उद्यान है सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान भारत का प्रथम आरक्षित वन है।

मध्य प्रदेश:-

- कान्हा राष्ट्रीय पार्क
- पेंच राष्ट्रीय पार्क

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- पन्ना राष्ट्रीय पार्क
- सतपुड़ा राष्ट्रीय पार्क
- वन विहार पार्क
- रुद्र सागर झील राष्ट्रीय पार्क
- बांधवगढ नेशनल पार्क
- संजय नेशनल पार्क
- माधव राष्ट्रीय पार्क
- कुनो नेशनल पार्क
- माण्डला प्लांट फौसिल राष्ट्रीय पार्क

संकटापन्न जंतु:- वे जंतु जिनकी संख्या एक निर्धारित स्तर से कम होती जा रही है और विलुप्त हो सकते हैं, संकटापन्न जन्तु कहलाते हैं उदाहरण, बाघ, बारहसिंघा हिरण,

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पारितंत्र:- किसी क्षेत्र के सभी जीव - जंतु और पेड़ - पौधें संयुक्त रूप से किसी पारितंत्र का निर्माण करते हैं। प्रकृति में जीवों के विभिन्न समुदाय एक साथ रहते हैं और परस्पर एक दूसरे के साथ - साथ अपने भौतिक पर्यावरण के साथ एक पारिस्थितिक इकाई के रूप में अन्योन्यक्रिया करते हैं। हम इसे पारितंत्र कहते हैं। पारितंत्र या पारिस्थितिक तंत्र शब्द की रचना 1935 में ए.जी. टैन्सले के द्वारा की गई थी। एक पारितंत्र प्रकृति की क्रियात्मक इकाई है जिसमें इसके जैविक तथा अजैविक घटकों के बीच होने वाली जटिल अन्योन्यक्रियाएं सम्मिलित हैं। उदाहरण के लिए तालाब पारितंत्र का अच्छा उदाहरण है।

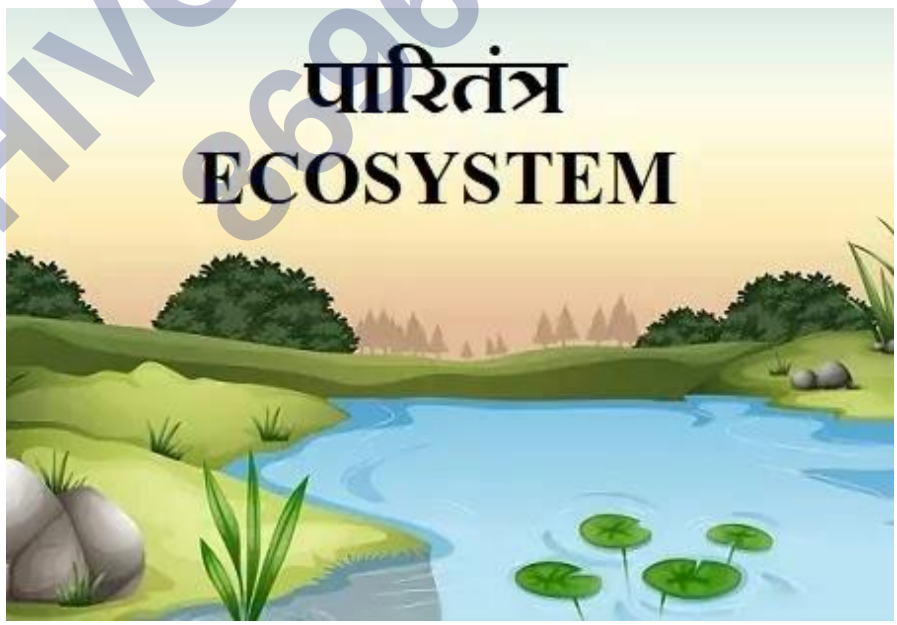

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रवास:- प्रवास का आशय एक स्थान को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर वसने से हैं। मानव, जीवन के प्रारंभ से ही प्रवास करता रहा है। मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए खाद्यान्न संकलन, शिकार करने, पानी की तलाश मे आदिमानव घुमन्तु जीवन जीता था। भोजन, आराम और सुरक्षा की दृष्टि से मानव का एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास निरंतर चलता रहा है। लेकिन यह प्रवास साधनों के अभाव मे सीमित था। औद्योगीकरण के परिणामस्वरूप यातायात के साधनों की वृद्धि ने मानव की गतिशीलता को आसान कर दिया। प्रवास जनसंख्या परिवर्तन के महत्वपूर्ण आधारों मे से एक है। प्रवास के परिणामस्वरूप सामाजिक परिवर्तन घटित होता है। किसी भी समाज की जनसंख्या तीन आधारों पर परिवर्तित होती है, जन्म, मृत्यु, प्रवास। जन्म और मृत्यु जैविक कारक है। लेकिन प्रवास ऐसा कारक है जो सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक आधारों पर प्रभावित होता हैं।

प्रवास की परिभाषा:- डेविड हीर के अनुसार,- अपने स्वाभाविक निवास से अलग होना प्रवास है।

वनोन्मूलन का अर्थ:- वनोन्मूलन का अर्थ है वनों के क्षेत्रों में पेडों को जलाना या काटना ऐसा करने के लिए कई कारण हैं; पेडों और उनसे व्युत्पन्न चारकोल को एक वस्तु के रूप में बेचा जा सकता है और मनुष्य के द्वारा उपयोग में लिया जा सकता है जबकि साफ़ की गयी भूमि को चरागाह या मानव आवास के रूप में काम में लिया जा सकता है। पेडों को इस प्रकार से काटने और उन्हें

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पुनः न लगाने के परिणाम स्वरुप आवास को क्षति पहुंची है, जैव विविधता को नुकसान पहुंचा है और वातावरण में शुष्कता बढ़ गयी है। साथ ही अक्सर जिन क्षेत्रों से पेडों को हटा दिया जाता है वे बंजर भूमि में बदल जाते हैं। आंतरिक मूल्यों के लिए जागरूकता का अभाव या उनकी उपेक्षा, उत्तरदायी मूल्यों की कमी, ढीला वन प्रबन्धन और पर्यावरण के कानून, इतने बड़े पैमाने पर वनोन्मूलन की अनुमति देते हैं। कई देशों में वनोन्मूलन निरंतर की जाती है जिसके परिणामस्वरूप विलोपन जलवायु में परिवर्तन, मरुस्थलीकरण और स्वदेशी लोगों के विस्थापन जैसी प्रक्रियाएं देखने में आती हैं। कृषि के लिए भूमि प्राप्त करना। घरों एवं कारखानों का निर्माण। फर्नीचर बनाने तथा लकड़ी का ईंधन के रूप में उपयोग।

वनोन्मूलन को रोकने के उपाय, समाधान:- पृथ्वी पर पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए वनों की कटाई रोककर वनों का संरक्षण किया जाना अति आवश्यक हो गया हैं. मानव सहित समस्त जीव जगत का अस्तित्व ही वनों के कारण ही हैं. यदि इन बदलते पारिस्थितिकी असंतुलन पर ध्यान नही दिया गया तो कई विकट परिस्थितियाँ पैदा हो जाएगी. वन विनाश को रोकने के लिए किये जाने वाले प्रयास या उपाय इस प्रकार हैं.

1. स्थानांतरित कृषि पर रोक
2. अनियंत्रित पशुचारण पर रोक
3. आवासों का निर्माण बंजर भूमि पर
4. वनों की कटाई वैज्ञानिक रूप से लाइसेंस धारी व्यक्तियों द्वारा ही करवाई जाए.
5. प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पेड़ लगाए और वन संरक्षण को एक जनक्रांति बनाया जाए.

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वनोन्मूलन के परिणाम:- वनोन्मूलन होने की वजह से उन जंगलों में रहने वाले जानवर बेघर हो जाते हैं। बहुत सारी प्रजातियां खत्म हो जाती है। पृथ्वी में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ने लगती हैं जिसकी वजह से सूखा जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पृथ्वी का पूरा संतुलन बिगड़ जाता है। पृथ्वी की मिट्टी से नमी खत्म हो जाती है और उर्वर भूमि मरुस्थल में तब्दील हो जाती है। इसे मरुस्थलीकरण कहते हैं। वर्षा, बाढ़ एवं सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं बढ़ जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

पुनवनरोपण:- का मतलब दोबारा से जंगल में कटे हुये वृक्षों की जगह नए वृक्षों को लगाना। जब हम सेलेक्टिंग कटाई के द्वारा, या आग लग जाने के कारण जले हुए वृक्षों की जगह कोई नया पेड़ लगाते है तो उसे ही पुनवनरोपण कहते है, जिससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 86-88)

प्रश्न 1 रिक्त स्थानों की उचित शब्दों द्वारा पूर्ति कीजिए |

(क) वह क्षेत्र जिसमें जंतु अपने प्राकृतिक आवास में संरक्षित होते हैं, _____ कहलाता है।

(ख) किसी क्षेत्र विशेष में पाई जाने वाली स्पीशीज _____ कहलाती हैं।

(ग) प्रवासी पक्षी सुदूर क्षेत्रों से _____ परिवर्तन के कारण पलायन करते हैं |

उत्तर-

(क) अभ्यारण्य

(ख) संकटापन्न

(ग) जलवायु

प्रश्न 2 निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए-

a. वन्यप्राणी उद्यान एवं जैवमण्डलीय आरक्षित क्षेत्र
b. चिड़ियाघर एवं अभ्यारण्य
c. संकटापन्न एवं विलुप्त स्पीशीज
d. वनस्पतिजात एवं प्राणिजात

उत्तर-

a. वन्यप्राणी उद्यान एवं जैवमण्डलीय आरक्षित क्षेत्र
   - वन्यप्राणी उद्यान : यह वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए बनाया गया है |
   - जैवमण्डलीय आरक्षित क्षेत्र : ये जैव विविधता के संरक्षण के लिए बनाए गए क्षेत्र है |

b. चिड़ियाघर एवं अभ्यारण्य
   - चिड़ियाघर : यह वन्य जीवों कृत्रिम आवास बनाकर संरक्षित रखने का क्षेत्र है |

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- अभ्यारण्य : वह क्षेत्र जहाँ जंतु एवं उनके आवास किसी भी प्रकार के विक्षोभ से सुरक्षित रहते हैं ।

c. संकटापन्न एवं विलुप्त स्पीशीज
   - संकटापन्न : वे जीव जो धीरे धीरे विलुप्त होते जा रहे है संकटापन्न जंतु कहलाते है। जैसे बाघ और चीता आदि |
   - विलुप्त स्पीशीज : वे जीव जो बिल्कुल विलुप्त हो चुके है विलुप्त स्पीशीज कहलाती है | डायनासोर आदि |

d. वनस्पतिजात एवं प्राणिजात
   - वनस्पतिजात : किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले पेड-पौधे उस क्षेत्र के वनस्पतीजात कहलाते है।
   - प्राणिजात : किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव-जंतु उस क्षेत्र के प्राणजात कहलाते है।

प्रश्न 3 वनोन्मूलन का निम्न पर क्या प्रभाव पड़ता है, चर्चा कीजिए

1. वन्यप्राणी
2. पर्यावरण
3. गाँव (ग्रामीण क्षेत्र)
4. शहर (शहरी क्षेत्र)
5. पृथ्वी
6. अगली पीढ़ी

उत्तर-

1. वन्यप्राणी : जब पेड़ कट जायेंगे तो वन्यप्राणियों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो जायेगा | जिससे वन्य प्राणी बिना अपने प्राकृतिक आवास के रह नहीं पाएंगे और न ही वे जनन ही कर पाएंगे | अतत: ये सभी जीव संकटापन्न के कगार पर आ जायेंगे और हो सकता है ये धीरे-धीरे विलुप्त हो जाये |

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. पर्यावरण : वनोंमुलन का सबसे बुरा प्रभाव यदि किसी चीज पर पड़ेगा तो वो है पर्यावरण | इससे परितंत्र ही नष्ट हो जायेगा | वनों का पारिस्थितिक तंत्र में संतुलन के लिए बहुत ही महत्त्व है | ये परिस्थित्क तंत्र को संतुलित करने के लिए पर्यावरण से CO_2 को अवशोषित करते है और ऑक्सीजन छोड़ते है | यदि बन नष्ट हुआ तो पारिस्थितिक तंत्र ही नष्ट हो जायेया | यह सभी जीवों के लिए खतरनाक है |
3. गाँव (ग्रामीण क्षेत्र) : वनोंमुलन का प्रभाव गांवों पर भी बुरा ही पड़ता है | इससे बहुत तेजी से मृदा अपरदन होता है | मृदा अपरदन से भूमि की उपजाऊकता समाप्त हो जाती है | वनोंमुलन बाढ़ और सुखा का भी बहुत बड़ा कारण है जिसका प्रभाव गाँव के कृषि पर होता है जिसका अनुभव बहुत ही बुरा है |
4. शहर (शहरी क्षेत्र) : वनोंमुलन बाढ़ और सुखा का भी बहुत बड़ा कारण है जो गाँव ही नहीं अपितु शहर हो भी बुरी तरह से प्रभावित करता है | इसका प्रभाव खाने-पिने की वस्तुओं पर भी पड़ता है | साथ-ही साथ यह अपने साथ अन्य और प्राकृतिक आपदाएँ भी लाता है |
5. पृथ्वी : यह पृथ्वी के जलवायु चक्र को प्रभावित करता है और पृथ्वी पर पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाता है | पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में वनों का बहुत बड़ा महत्त्व है | पृथ्वी खतरनाक गैसों से भर जाएगी जो इस पर रहने वाले जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा है | पृथ्वी का ताप सामान्य से बहुत अधिक बढ़ जाएगी |
6. अगली पीढ़ी : वन पृथ्वी पर मौजूद वनस्पतिजात और प्राणीजात के संरक्षण और आवास का सबसे बड़ा और प्राकृतिक उदाहरण है | वनों के नष्ट होने के साथ-साथ ये भी नष्ट हो जाते है | जिसे हम अगली पीढ़ी को नहीं दे पाएंगे | वनों के नष्ट होने से अगली पीढ़ी ऐसी परिस्थिति में पैदा होगी जो उनके जीवन के लिए मुश्किल होगा |

प्रश्न 4 क्या होगा यदि-

a. हम वृक्षों की कटाई करते रहे?
b. किसी जंतु का आवास बाधित हो?
c. मिट्टी की ऊपरी परत अनावरित हो जाए?

उत्तर-

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

a. यदि हम वनों की कटाई करते रहे तो -

- इससे पृथ्वी पर ताप और प्रदूषण के स्तर में वृद्धि हो जाएगी।
- इससे वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड जैसे ग्रीन हाउस गैस का स्तर बढ जायेगा|
- भौम जल का स्तर कम हो जायेगा।
- वनोन्मुलन से प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो जायेगा |

b. किसी जंतु का आवास बाधित हो तो

- उसकी जनन क्षमता समाप्त हो जाएगी और वह जन्तु विलुप्त हो जायेगा |
- उसके भोजन और सुरक्षा को खतरा पैदा हो जायेगा |
- इससे पारिस्थितिक तंत्र बाधित होगी |

c. मिट्टी की ऊपरी परत अनावरित हो जाए तो

- बारबार बाढ़ और सूखे की खतरा बनी रहेगी|
- भूमि की उपजाऊकता समाप्त हो जाएगी क्योंकि उपरी परत में ह्यूमस की मात्रा होती है|
- इससे वनस्पतियों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा |

प्रश्न 5 संक्षेप में उत्तर दीजिए |

a. हमें जैव विविधता का संरक्षण क्यों करना चाहिए?
b. संरक्षित वन भी वन्य जंतुओं के लिए पूर्ण रूप से सुरक्षित नहीं हैं, क्यों?
c. कुछ आदिवासी वन (जंगल) पर निर्भर करते हैं। कैसे ?
d. वनोन्मूलन के कारक और उनके प्रभाव क्या हैं?
e. रेड डाटा पुस्तक क्या है?
f. प्रवास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर-

a. हमें हमारी जैव विविधता को बचाना चाहिए क्योंकि एकल जीव का पृथ्वी पर अस्तित्व संभव नहीं है। जैव विविधता के कारण ही पृथ्वी पर जीवों में संतुलन बना रह पाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

b. संरक्षित वन भी वन्य जंतुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है, क्योंकि कुछ लालची लोग अपने निजी फायदे के लिए यहाँ पर रहने वाले जानवरों का शिकार करते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि संरक्षित वन भी वन्य प्राणियों के लिए अब सुरक्षित नहीं रहे।

c. आदिवासी लोग वनों में या वनों के निकट रहने वाले लोग होते हैं। ये लोग अपनी प्रत्येक आवश्यकता की पूर्ति वनों से प्राप्त उत्पादों से करते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कुछ आदिवासी वनों पर निर्भर करते हैं।

d. वनोन्मूलन के कारक-वनोन्मूलन का अर्थ है वनों को समाप्त करने पर प्राप्त भूमि का अन्य कार्यों के लिए उपयोग करना। वनोन्मूलन के निम्नलिखित कारक हैं: कृषि के लिए भूमि प्राप्त करना। घरों एवं कारखानों का निर्माण। फर्नीचर बनाने अथवा लकड़ी ईधन के रूप में उपयोग।वनोन्मूलन के प्रभाव: पृथ्वी का ताप बढ़ जाता है। भौम जल स्तर भी नीचे गिर जाता है। इसके कारण बाढ़ तथा सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है। भूमि की उर्वरता में कमी आती है।

e. रेड डाटा पुस्तक- रेड डाटा पुस्तक, वह पुस्तक है जिसमें सभी संकटापन्न स्पीशीज़ का रिकार्ड रखा जाता हैं पौधों, जंतुओं और अन्य स्पीशीज के लिए अलग-अलग रेड डाटा पुस्तक हैं।

f. प्रवास- प्रवास वह परिघटना है, जिसमें किसी स्पीशीज का अपने आवास से किसी अन्य आवास में हर वर्ष की विशेष अवधि में, विशेष प्रजनन हेतु चलन होता है।

प्रश्न 6 पैफक्ट्रियों एवं आवास की माँग की आपूर्ति हेतु वनों की अनवरत कटाई हो रही है। क्या इन परियोजनाओं के लिए वृक्षों की कटाई न्यायसंगत है? इस पर चर्चा कीजिए तथा एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कीजिए।

उत्तर- फैक्ट्रियों एवं आवास की माँग की आपूर्ति के लिए वनों की अनवरत कटाई हो रही है। यह न्यायसंगत नहीं है, क्योंकि वन हमारी अमूल्य धरोहर हैं, हमारे मुख्य प्राकृतिक संसाधनों में से एक हैं। इसलिए हमें इन्हें संरक्षित रखना चाहिए। हम जानते हैं कि वन हमारे लिए बहुत अधिक आवश्यक हैं। ये वर्षा लाने में सहायक हैं। वायु में O_2 तथा CO_2 के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। इसलिए हमें चाहिए कि वनों को हम बचा कर रखें। यदि किसी कारणवश हमें वनों को कटाई भो करनी पड़े तो हमें पुनर्वनरोपण करना चाहिए। जहाँ तक संभव हो सके हमें वन उत्पादों को अन्य

SHIVOM CLASSES 8696085541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

किसी दूसरे पदार्थों से बदल लेना चाहिए। लोग अपने निजी लालच के लिए औद्योगीकरण को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे लगातार वनों की कटाई हो रही हैं उन्हें समझना चाहिए कि वन हमारे प्राकृतिक संसाधन हैं, हमें उन्हें अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए बचा कर रखना चाहिए। अनावश्यक रूप से हमें वनों की कटाई नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 7 अपने स्थानीय क्षेत्रा में हरियाली बनाए रखने में आप किस प्रकार योगदान दे सकते हैं? अपने द्वारा की जाने वाली क्रियाओं की सूची तैयार कीजिए।

उत्तर- अपने स्थानीय क्षेत्रों में हरियाली बनाए रखने में हम निम्नलिखित प्रकार से योगदान दे सकते हैं: अधिक से अधिक पेड़ लगाकर। सड़कों के किनारे पेड़ लगाकर। कम से कम पेड़ों की कटाई करके। पार्क आदि बनवा कर। कागज़ बचाकर। लोगों को अधिक वृक्षारोपण के लिए जागरुक करके।

प्रश्न 8 वनोन्मूलन से वर्षा दर किस प्रकार कम हुई है? समझाइए।

उत्तर- वनों के विनाश के कारण कार्बन डाइऑक्साइड के उपयोग में कमी आई है, जिससे वायुमण्डल में इसकी मात्रा बढ़ गई है। क्योंकि CO_2 पृथ्वी द्वारा उत्सर्जित ऊष्मीय विकिरणों को अवशोषित कर लेती हैं। अत: इसकी कम मात्रा के परिणामस्वरूप विश्व ऊष्णन हो रहा है। पृथ्वी के ताप में वृद्धि के कारण जलचक्र का संतुलन बिगड़ गया है, जिससे वर्षा दर में कमी हुई है।

प्रश्न 9 अपने राज्य के राष्ट्रीय उद्यानों के विषय में सूचना एकत्रा कीजिए। भारत के रेखा मानचित्रा में उनकी स्थिति दर्शाइए?

उत्तर-

राष्ट्रीय उद्यान का नाम	**क्षेत्रफल (वर्ग किलोमीटर)**	**कहां स्थित है**	**स्थापना**
कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान	940 सबसे बड़ा क्षेत्रफल में	मंडला	1955 सबसे पुराना
बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	437	उमरिया	1968

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

माधव राष्ट्रीय उद्यान	337	शिवपुरी	1958 मध्य प्रदेश का दूसरा सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान है
सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	524	होशंगाबाद	1981
पेंच राष्ट्रीय उद्यान(इंदिरा प्रियदर्शनी राष्ट्रीय उद्यान)	257	सिवनी छिंदवाड़ा	1975
संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान डूबरी राष्ट्रीय उद्यान	838	सीधी सिंगरौली	1983
वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल	4.45	भोपाल	1983
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	542	पन्ना छतरपुर	1981
घुघवा जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान	0.27 सबसे छोटा क्षेत्रफल में	डिंडोरी	1983
ओंकारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान	651	खंडवा	2004
डायनासोर राष्ट्रीय उद्यान	89.7	धार	2011
पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान(प्रस्तावित)	910	श्योपुर,शिवपुरी,मुरैना, ग्वालियर	2018

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 10 हमें कागज़ की बचत क्यों करना चाहिए? उन कार्यों की सूची बनाइए जिनके द्वारा आप कागज़ की बचत कर सकते हैं।

उत्तर- हमें कागज की बचत वनों को बचाने के लिए करनी चाहिए। लगभग 1 टन कागज बनाने के लिए 17 वृक्षों की आवश्यकता पड़ती है। कागज की बचत से वनों के साथ-साथ हानिकारक रासायनिक पदार्थ जल तथा ऊर्जा, जो इसको बनाने में प्रयुक्त होते हैं की भी बचत होती है। अत: निम्नलिखित कार्यों के द्वारा कागज की बचत की जा सकती है। पुन: उपयोग जन-जागरुकता अभियान चलाकर । पुन: चक्रण मितव्ययता से उपयोग |

प्रश्न 11 गई शब्द पहेली को पूरा कीजिए-

ऊपर से नीचे की ओर

(1) विलुप्त स्पीशीज़ की सूचना वाली पुस्तक

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(2) पौधों, जंतुओं एवं सूक्ष्मजीवों की किस्में एवं विभिन्नताएँ

बाईं से दाईं ओर

(2) पृथ्वी का वह भाग जिसमें सजीव पाए जाते हैं।

(3) विलुप्त हुई स्पीशीज़

(4) एक विशिष्ट आवास में पाई जाने वाली स्पीशीज़

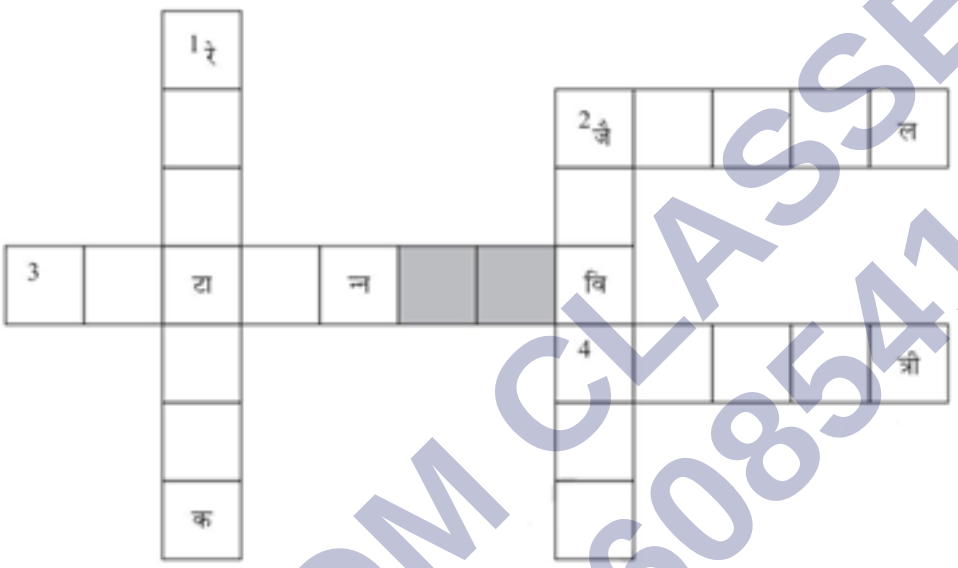

उत्तर-

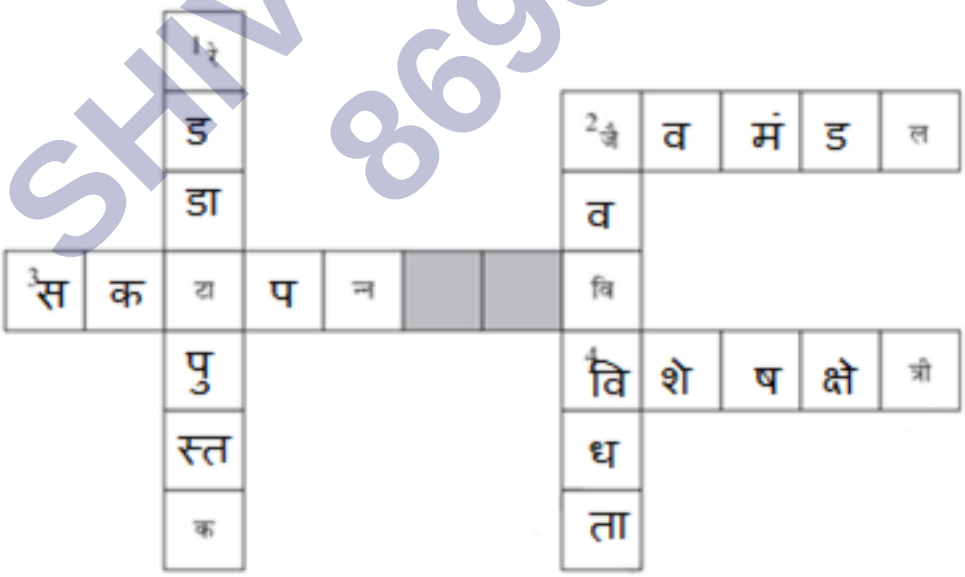

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)